पल्मायरा पाम ट्री

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

ओडिशा ने पारिस्थितिकीय और सामाजिक लाभों के कारण **पल्मायरा ट्री (ताड़ के पेड़ों) की कटाई पर प्रतिबंध** लगा दिया है।

पलमायरा पाम ट्री (बोरासस फ्लेबेलफिर)

- **परिचय:** यह दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया मूल का होने के साथ-साथ अत्यधिक सूखा प्रतिरोधी है तथा **तमिलनाडु के राज्य वृक्ष** के रूप में मान्यता प्राप्त है।
  - यह मुख्यतः **ओडिशा, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु** में पाया जाता है।
  - तमिल संस्कृति में इसे **कर्पगा वृक्षम् ("ऐसा दिव्य वृक्ष जो सब कुछ प्रदान करता है") के रूप में पूजनीय** माना जाता है, और इसके **ताड़-पत्र पांडुलिपियों ने सदियों तक तमिल भाषा और साहित्य को संरक्षित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाई है।
- **पारिस्थितिकीय भूमिका: इसके फल (ताड़) जुलाई–अगस्त में पकते हैं, जिन्हें कम पैदावार के दौरान हाथियों द्वारा भोजन के रूप में ग्रहण किया जाता हैं और साथ ही यह [मानव-हाथी संघर्ष](#) को भी कम करते हैं। इसकी ऊँची संरचना प्राकृतिक आकाशीय बिजली अवरोधक के रूप में कार्य करती है, जिससे मानसून के दौरान होने वाली मृत्युओं में कमी आती है।**
  - इसकी **लंबी जड़ें भूजल पुनर्भरण, सूखे से निपटने में सहायता** करती है तथा **जल निकायों और तटों पर मृदा अपरदन को रोकने में भी सहायक** होती है।
- **महत्त्व:** इसका फल **गूदा (नुंगु) खनिजों से भरपूर ग्रीष्मकालीन शीतल पेय के रूप में उपयोग** होता है, जबकि **ताड़ की शक्कर (पनई करुप्पट्टी) एवं गुड़ तथा पदनीर (रस) और ताड़ी** जैसे पेय आधुनिक उत्पादों के स्थान पर स्वास्थ्यवर्धक पारम्परिक विकल्प प्रदान करते हैं।
  - **पत्तियाँ छत, चटाई और हस्तशिल्प के लिये उपयोगी** होती हैं, तथा इसकी लकड़ी निर्माण सामग्री और ईंधन प्रदान करती है।

WHAT MAKES THE PALMYRA SPECIAL?

- Palmyra trees live for more than a century, and are drought-resistant, **making them perfect for TN weather conditions**
- They tend to reduce the impact of floods and cyclones; **a survey of trees after Cyclone Gaja revealed that the one of the only trees that weathered the storm was the palmyra,** owing to the structure of the trunk that makes it both sturdy and flexible
- The tree's root system, though fibrous, spread far and **deep round the base of the trunk helps regulate the underground water table**

ROOT TO STEM, THE GIVING TREE

1 palmyra tree | 180 litres of tender palm water, 25kg of palm jaggery, 10kg firewood and 20kg palm fibre a year

- Every part of the tree is useful

Root | For its medicinal properties as well as to make baskets and brushes

Trunk | Used for scaffolding

Leaves (olai) | In weaving cots and chairs

Fruit | Can be eaten fresh as nungu or the overripe fruits can be charred in a tandoor

Palmyra tubers or sprouts | These are carbohydrate and fibre rich and can be boiled, dried and eaten either as **a snack or made into a flour that can be added to idli batter**

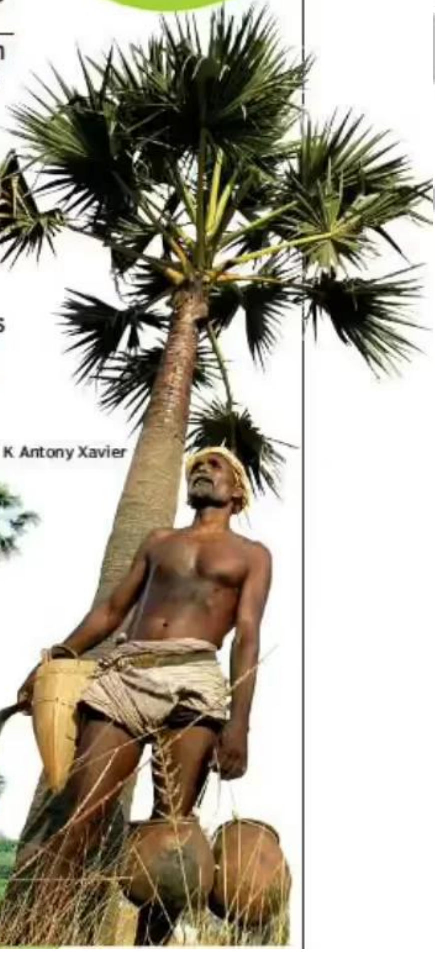

Pics: K Antony Xavier

UNPREDICT

और पढ़ें: ऑयल पाम वृक्षारोपण को प्राथमिकता

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/palmyra-palm-trees